कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रशिक्षण के अंतर्गत व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम का आयोजन

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण (हिंदी शब्द संसाधन) प्रशिक्षण के अंतर्गत फरवरी-जुलाई 2025 सत्र के लिए 19 से 21 मई **2025** तक **व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, से **श्री बिभूति शरण सिन्हा,** सहायक निदेशक संस्थान में आए थे। कें. हिं. प्र. संस्थान, नई दिल्ली, के सहयोग से सीएसआईआर-सीरी के कार्मिकों के लिए चलाए जा रहे कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम के इस सत्र में संस्थान के 15 सहकर्मी पंजीकृत हैं।

तीन-दिवसीय हिंदी शब्द संसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए श्री बी एस सिन्हा, सहायक निदेशक, कें. हिं. प्र. सं., नई दिल्ली

कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में **श्री बी एस सिन्हा** ने सभी प्रशिक्षार्थियों को भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हिंदी टंकण (हिंदी शब्द संसाधन) प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी केंद्रीय कार्यालयों के कंप्यूटरों के लिए यूनिकोड प्रणाली अपनाने पर बल दिया है। उन्होंने इस अवसर पर यूनिकोड प्रणाली के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय रूप से स्वीकृत प्रणाली है जिसमें दस्तावेज, फाइल आदि के अंतरण व स्थानांतरण मे फॉन्ट/सॉफ्टवेयर आदि की कोई समस्या नहीं होती और लगभग सभी सरकारी कार्यालयों ने इस पद्धति को अपना लिया है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को आश्वस्त किया कि वे इन तीन दिनों में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण में प्रशिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान बताएँगे और प्रशिक्षार्थियों को आगामी परीक्षा के संबंध में जानकारी देने के साथ-साथ अभ्यास भी कराएँगे ताकि उनकी समस्याओं का समाधान साथ-साथ हो सके।

इससे पूर्व आरंभिक एवं परिचय सत्र में **श्री रमेश बौरा,** वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता व महत्व की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को संकाय सदस्य श्री बी एस सिन्हा का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रशिक्षार्थी हिंदी टंकण के संबंध में अपनी सभी शंकाओं का समाधान करेंगे तथा संस्थान में श्री सिन्हा की उपलब्धता का लाभ उठाएँगे।

विज्ञान दीर्घा में आयोजित सैद्धांतिक कक्षा में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी

19 मई को विज्ञान दीर्घा में आयोजित सत्र में प्रशिक्षार्थियों को प्रश्न पत्र के प्रारूप से परिचित कराया गया। श्री सिन्हा ने प्रशिक्षार्थियों को सामान्यतया की जाने वाले गलतियों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं अभ्यास की व्यवस्था संस्थान के ज्ञान संसाधन केंद्र में की गई थी। श्री सिन्हा ने 19 मई, 2025 को आयोजित दूसरे सत्र में प्रश्न पत्र के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की तथा प्रशिक्षार्थियों को सही ढंग से तालिका टंकण करने की विधि बताई। उन्होंने 20 एवं 21 मई के सत्र में प्रशिक्षार्थियों को कार्यालयी पत्र, अर्धशासकीय पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, सूचना, अधिसूचना आदि के टंकण के साथ-साथ प्रूफ पठन के चिह्नों की जानकारी देते हुए हस्तलेख के सही टंकण एवं सारणी बनाने का अभ्यास भी कराया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को कंप्यूटर पर हिंदी

टंकण की उत्तर पुस्तिकाओं को जाँचने के नियमों की जानकारी देते हुए सामान्य त्रुटियों से बचने की सलाह दी।

प्रशासनिक कार्मिकों के लिए आयोजित विशिष्ट सत्र में उपस्थित सहकर्मियों से चर्चा करते हुए संकाय सदस्य श्री बी एस सिन्हा

तीन-दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान 20 मई, 2025 को सभागार में **प्रशासनिक सहकर्मियों के लिए एक विशेष सत्र** का आयोजन भी किया गया जिसमें श्री बी एस सिन्हा ने सहकर्मियों को कंप्यूटर को यूनिकोड सक्षम बनाने की विधि, राजभाषा विभाग के परिचय के साथ-साथ उसके अधीनस्थ कार्यालयों के दायित्वों से अवगत कराया। उन्होंने उपयोगी हिंदी वेबसाइटों की भी जानकारी दी।

अभ्यास सत्र में प्रशिक्षार्थियों को टंकण की बारीकियाँ बताते हुए श्री बी एस सिन्हा, सहायक निदेशक एवं टंकण अभ्यास करते हुए प्रशिक्षणार्थी

21 मई को आयोजित कार्यक्रम के अंतिम अभ्यास सत्र में श्री सिन्हा ने सभी पूर्व सत्रों में दी गई जानकारी को प्रशिक्षार्थियों के लाभार्थ संक्षेप में पुन: दोहराया।

समापन सत्र में संबोधित करते हुए श्री बी एस सिन्हा, सहायक निदेशक, कें.हिं.प्र.सं., नई दिल्ली

समापन सत्र एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 21 मई, 2025 को किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने आतिथ्य व प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई सभी सुविधाओं के लिए सीएसआईआर-सीरी के निदेशक, प्रशासन नियंत्रक तथा वरिष्ठ हिंदी अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी प्रशिक्षार्थियों को आगामी परीक्षा तथा भावी जीवन के लिए शुभकामना दी।

समापन सत्र में प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य **श्री मधुरंजन पाण्डेय,** प्रशासन नियंत्रक ने अपने संक्षिप्त संबोधन में आशा व्यक्त की कि सभी प्रशिक्षार्थी इस तीन-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभान्वित

हुए होंगे। उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण के बाद अपने-अपने अनुभागों/प्रभागों में कार्य निष्पादन को गति प्रदान करते हुए संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगे। उन्होंने श्री बीएस सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें संस्थान की ओर से **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया तथा आशा व्यक्त की कि उनका संक्षिप्त पिलानी प्रवास आनंददायक रहा होगा।

श्री बी एस सिन्हा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए
श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट करते हुए संकाय सदस्य श्री बी एस सिन्हा एवं श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक

अंतिम अभ्यास सत्र में सभी प्रशिक्षार्थियों से **प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्रपत्र** भी भरवाए गए। समापन सत्र में संकाय सदस्य श्री बी एस सिन्हा एवं प्रशासन नियंत्रक श्री मधुरंजन पाण्डेय ने प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र भेंट किए। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सभी प्रकार की व्यवस्था करने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ को धन्यवाद दिया तथा आयोजन के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए संकाय सदस्य श्री सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री सिन्हा ने अत्यंत सरल व सहज विधि से हमें प्रेरित किया, हमारी शंकाओं का समाधान किया तथा हमें प्रश्नों को करने का सही तरीका बताया ।

समापन सत्र का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

कार्यक्रम का समन्वयन **श्री रमेश बौरा,** वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, ने किया। समापन सत्र का संचालन करते हुए उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को हिंदी टंकण की बारीकियों की जानकारी देने, प्रश्न पत्र के प्रारूप से परिचित करवाने व तत्संबंधी अभ्यास कराने के लिए संकाय सदस्य श्री बी एस सिन्हा को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस आयोजन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अनुभागों/ प्रभागों तथा सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस प्रकार यह तीन दिवसीय व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम संपन्न हुआ।